# CIA-02

## December - Examination 2019

## Certificate in Ayurveda Examination

## चिकित्सा विज्ञान एवं पंचकर्म

## Paper - CIA-02

**Time : 3 Hours ]** **[ Max. Marks :- 100**

**निर्देश :** यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**खण्ड – 'अ'** **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) पंचकर्मों के नाम लिखिये।

(ii) जौंक Leach के तीन लाभ लिखिये।

(iii) रक्तमोक्षण कौनसे आचार्य ने पंचकर्म में माना है।

(iv) रसायन सेवन के तीन लाभ लिखिये।

(v) वाजीकरण क्या है?

(vi) चतुष्पादों के नाम लिखिये।

(vii) उपचार के पर्याय लिखिये।

(viii) भोजन (आहार) के तीन कार्य लिखिये।

(ix) स्नेहन कर्म क्या है?

(x) शूक एवं शमी धान्य से क्या तात्पर्य है?

**खण्ड – ब** **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) औषधि के चतुष्पाद के अनुसार 4 गुण लिखिये।

3) शिरोधारा की विधि एवं लाभ लिखिये।

4) ''जोंक'' पर टिप्पणी लिखिये।

5) अष्टविध नाड़ी परीक्षा का संक्षेप में परिचय लिखिये।

6) ''बस्ति चिकित्सा'' का परिचय एवं लाभ लिखिये।

7) ''नस्यकर्म'' का परिचय एवं लाभ लिखिये।

8) आहार का स्वास्थ्य की दृष्टि से संक्षेप में वर्णन कीजिये।

9) ''विटामिन्स'' का परिचय एवं उनके स्त्रोत का उल्लेख कीजिये।

**खण्ड – स** **$2 \times 20 = 40$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) वाजीकरण चिकित्सा का विस्तार से वर्णन कीजिये।

11) रोग निदान का अर्थ परिभाषा एवं प्रकारों का वर्णन कीजिये।

12) पंचकर्मों से त्रिदोषों में कैसे लाभ होता है, स्पष्ट कीजिये।

13) आहार का वर्णन करते हुये पोषण विधि का उल्लेख कीजिये।